फागण रंगीला आया | by Reshmi Sharma

फागण रंगीला है आया
फागण ये खुशियां है लाया
फागण ये सबके मन को है भाया

फागण की मस्ती चंग ढोल बजे हैं
सतरंगी रंगो के कलश सजे हैं
ग्वालों की टोली लेके कान्हा रस्ते में खड़ा
मारे है पिचकारी भर भर पिचकारी

कुछ अलग सा है ढंग करता है सबको तंग
देख के कान्हा को दुनिया भी है दंग
रहता ग्वालों के संग लड़ता माखन की जंग
चोरी सीनाज़ोरी का इसपे चढ़ा है रेंग
सारे गोकुल का कर डाला इसने जीना मुहाल
मारे है पिचकारी भर भर पिचकारी

हर कोई आ रहा श्याम से मिलने को
हाथो में अपने लेके रंग गुलाल
आज तो मस्ती में गा रहे हैं सभी
देवी देवता भी होली की धमाल
काले काले कान्हा को कर देंगे लाल लाल
मारे है पिचकारी भर भर पिचकारी

श्याम के रंग में जो भी रंग जाता है
दूजा रंग कोई उसपे ना चढ़ता
श्याम के प्रेम में जो भी पड़ जाता है
जग की बातों से उसे फर्क नहीं पड़ता
श्याम का प्रेमी बन के मोहित हो गया निहाल
मारे है पिचकारी भर भर पिचकारी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ab%e0%a4%be%e0%a4%97%e0%a4%a3-%e0%a4%b0%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a5%80%e0%a4%b2%e0%a4%be-%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a4%be-by-reshmi-sharma/